ज्ञान से पहचान तक

ब्रिक्स सम्मान 2026 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित हैं

भारतीय निर्यात-आयात बैंक, भारत की प्रमुख निर्यात वित्त संस्था है। बैंक ब्रिक्स (ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात) अर्थव्यवस्थाओं से संबंधित आर्थिक पहलुओं पर शोध को बढ़ावा देता है। इस संदर्भ में, बैंक "ब्रिक्स आर्थिक शोध वार्षिक सम्मान 2026" के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

इस सम्मान के लिए ग्यारह ब्रिक्स देशों के वे नागरिक (वैध पासपोर्ट धारक) आवेदन कर सकते हैं, जिन्हें उनके शोध कार्य के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या किसी वैश्विक शैक्षणिक संस्थान द्वारा जनवरी 2021 से मार्च 2026 के बीच डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि मिली हो। शोध कार्य का विषय सामान्य रुप से अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार, विकास और संबंधित वित्तपोषण हो सकता है।

इंडिया एक्ज़िम बैंक द्वारा प्रायोज़ित इस सम्मान के रूप में एक प्रशस्ति पत्र, पदक और ₹ 15 लाख (लगभग 17,000 यूएस डॉलर) की सम्मान राशि प्रदान की जाती है। आवेदन फार्म https://www.eximbankindia.in/awards/brics-citations पर ऑनलाइन प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रविष्टियाँ प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 मई, 2026 है।

EXPORT-IMPORT BANK OF INDIA'S
BRICS ECONOMIC RESEARCH
CITATION

इंडिया एक्ज़िम बैंक

हमें यहाँ फॉलो करें:

भारतीय एक्ज़िम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध सम्मान: 2026
प्रमुख दिशानिर्देश

संदर्भ

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (इंडिया एक्ज़िम बैंक) भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के वित्तपोषण, सुगमीकरण और संवर्धन के उद्देश्य से स्थापित की गई देश की शीर्ष वित्तीय संस्था है। इस संदर्भ में इंडिया एक्ज़िम बैंक शोध आधारित विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित करता है। बैंक, अंतरबैंक सहयोग व्यवस्था के अंतर्गत नामित सदस्य विकास बैंक है। इस व्यवस्था के अंतर्गत दूसरे ब्रिक्स देशों के भी नामित विकास बैंक सदस्य हैं। इनमें ब्राजील का बीएनडीईएस, रूस का स्टेट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (VEB.RF), चीन का चाइना डेवलपमेंट बैंक कॉर्पोरेशन (सीडीबी), दक्षिण अफ्रीका का डेवलपमेंट बैंक ऑफ सदर्न अफ्रीका (डीबीएसए) शामिल हैं। एक्ज़िम बैंक ने मार्च 2016 में ब्रिक्स आर्थिक शोध सम्मान (ब्रिक्स सम्मान) की शुरुआत की थी। इस सम्मान के अंतर्गत इंडिया एक्ज़िम बैंक द्वारा प्रायोजित 15 लाख रुपये की सम्मान राशि (लगभग 17,000 यूएस डॉलर समतुल्य राशि), एक पदक और एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। इस सम्मान का उद्देश्य ब्रिक्स के सदस्य देशों के लिए अर्थव्यवस्था संबंधी समसामयिक प्रासंगिक विषयों पर डॉक्टोरल अनुसंधान को बढ़ाना और प्रोत्साहित करना है।

सम्मान का विवरण

सम्मान का नाम: इंडिया एक्ज़िम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध सम्मान

उद्देश्य: ब्रिक्स सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था के लिए प्रासंगिक विषयों पर उन्नत शोध को प्रोत्साहित करना।

पात्रता: ब्रिक्स के ग्यारह सदस्य देशों के नागरिक (वैध पासपोर्ट धारक) जिन्हें किसी राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय या वैश्विक अकादमिक संस्थान द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि दी गई हो या डॉक्टरेट की उपाधि के लिए जिनकी शोध स्वीकार कर ली गई हो, इस सम्मान के लिए पात्र हैं।

पात्र विश्वविद्यालय / अकादमिक संस्थान: कोई भी विश्वविद्यालय या अकादमिक संस्थान जो डॉक्टरेट की उपाधि देता हो या डॉक्टरेट की उपाधि देने के लिए थीसिस स्वीकार करने हेतु संबंधित देश की आधिकारिक संस्था द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हो।

पात्र प्रविष्टि: जनवरी 2021 से मार्च 2026 के बीच की ऐसी कोई भी थीसिस जिस पर डॉक्टरेट की उपाधि दी गई हो या डॉक्टरेट के लिए स्वीकार की गई हो।

थीसिस की विषय-वस्तु: अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार, विकास और संबंधित वित्तपोषण के क्षेत्र में अनुसंधान, जिसमें BRICS देशों पर विशेष ध्यान दिया गया हो। विषय BRICS 2026 की व्यापक थीम के अनुरूप होने चाहिए, जो है "लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता का निर्माण"। अनुसंधान कार्य के निष्कर्षों से स्पष्ट और प्रासंगिक नीतिगत निहितार्थ और सुझाव मिलने चाहिए, जो बड़े पैमाने पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए, और विशेष रूप से BRICS देशों के लिए फायदेमंद साबित हो सकें। विशेष प्रासंगिकता वाले मुद्दे, जैसे कि (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) BRICS देशों के बीच विदेशी व्यापार, निवेश और सहयोग; वैश्विक अनिश्चितताओं और जलवायु जोखिमों का सामना करना; ऊर्जा संक्रमण; आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान; विकास और हरित वित्त; व्यापार सुगमीकरण; सतत विकास; डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा; उभरती प्रौद्योगिकियां (फिनटेक और AI सहित); अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता; और वैश्विक संस्थागत शासन में सुधार, आदि विशेष रुचि के विषय हो सकते हैं। मौलिकता, प्रस्तुति की स्पष्टता और सबसे महत्वपूर्ण रूप से BRICS संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता के लिए विशेष महत्व दिया जाएगा।

सम्मान के नियम एवं शर्तें:

1. थीसिस मूल रुप में अंग्रेजी में या ब्रिक्स देशों की किसी भी राष्ट्रभाषा / राजभाषा में हो सकती है। यदि थीसिस अंग्रेजी से इतर उपर्युक्त किसी भाषा में है तो प्रविष्टि के साथ पूरी थीसिस का अंग्रेजी अनुवाद और इस थीसिस के संबंध में जर्नलों में प्रकाशित पेपर भेजना अनिवार्य है।
2. सभी प्रविष्टियों के साथ लेखक के हस्ताक्षर वाला पूर्ण प्रविष्टि फार्म (अंग्रेजी में) अनिवार्य रूप से हो।
3. आवेदन के साथ थीसिस का अंग्रेजी भाषा में सारांश (5000 शब्दों तक) उसकी विषय-वस्तु, पद्धति, परिणाम और निष्कर्ष को समेटे हुए सुस्पष्ट और सुबोध रूप में भेजा जाना चाहिए।
4. प्रविष्टियों का सारांश 1.5 के स्पेस के साथ टाइप किया गया हो।
5. प्रस्तुत किए जाने वाले सारांश में लेखक, गाइड या विश्वविद्यालय का नाम कहीं भी नहीं लिखा होना चाहिए।
6. लेखक को अंग्रेज़ी में एक सुव्यवस्थित और स्वतः-स्पष्ट विवरण प्रस्तुत करना होगा, जो BRICS के संदर्भ में थीसिस की प्रासंगिकता, तथा BRICS देशों के लिए इसकी प्रयोज्यता और निहितार्थों का समर्थन करता हो (अधिकतम 2000 शब्द)।

7. सभी प्रविष्टियां इंडिया एक्ज़िम बैंक को 15 मई, 2026 तक या इससे पहले प्राप्त हो जाएं।
8. सभी प्रविष्टियों के साथ संबंधित विश्वविद्यालय / डॉक्टरेट की उपाधि के लिए स्वीकृत थीसिस का प्रमाणपत्र संलग्न हो।
9. आवेदक की ब्रिक्स देशों की नागरिकता की पुष्टि के लिए सभी प्रविष्टियों के साथ आवेदक के वर्तमान पासपोर्ट (पहले दो और अंतिम दो पृष्ठ) की प्रतिलिपि संलग्न हो।
10. इंडिया एक्ज़िम बैंक शोध की प्रविष्टियां लौटाने और प्रविष्टियों के मार्ग में गुम हो जाने की कोई जवाबदेही स्वीकार नहीं करता है।
11. सम्मान के लिए एक ही थीसिस की प्रविष्टियां (प्रविष्टि मानदंडों को पूरा करने वाली) दो से ज्यादा बार प्रस्तुत नहीं की जा सकती हैं।
12. जब भी संभव हो, आवेदक अपनी थीसिस के संबंध में मूल्यांकनकर्ताओं की मूल्यांकन रिपोर्ट संलग्न करेंगे और प्रविष्टि फार्म में अपनी थीसिस के सभी रेफरी / मूल्यांकनकर्ताओं / निरीक्षकों का नाम लिखेंगे।